

Otto Böhtlingk & Rudolph Roth: Sanskrit-Wörterbuch, Part 1, Petersburg 1855
 ÇKDr. Eine andere Pflanze scheint gemeint zu sein Suçr. 2,104,10,
 mit der ungenauen Bezeichnung आयुधसाक्ष्य das Wort आयुध im Na-
 men führend.

आयुधागार (आ० + अगार oder आ०) n. Waffenkammer, Arsenal M.
 9,280. MBh. 1,5810. 5822. 3,13323.

आयुधिक (von आयुध) m. Krieger P. 4,4,14. AK. 2,8,2,35. H. 770.
 MBh. 16,212.

आयुधिन् (wie eben) adj. waffentragend; m. Krieger VS.16,36. Kauç.
 104. R. 2,53,30.

आयुधीय (wie eben) dass. P. 4,4,14. AK. 2,8,2,35. H. 769. संपश्येदा-
 युधीयं पुनर्नमम् M. 7,222. Mit. 267,2 v. u.

आयुध्य n. nom. abstr. von 3. अ + युध P. 5,1,121.

आयुर्द्द (आयुम् + दद्) adj. lebengebend: आयुर्द्दं विपश्चितं श्रुतो कावै-
 स्य वीरुधम् AV. 6,52,3.

आयुर्दा (आ० + दा) adj. dass. VS. 3,16. AV. 2,13,1. TS. 2,5,12,1.

आयुर्दावन् (आ० + दा०) adj. dass. Kauç. 72.

आयुर्द्रव्य (आ० + द्रव्य) n. Arznei RATNAM. im ÇKDr.

आयुर्द्यु (आ० + युध) adj. um's Leben kämpfend VS. 16,60.

आयुयोग (आ० + योग) m. Arznei RĀGAN. im ÇKDr.

आयुर्वेद (आ० + वेद) m. die heilige Lehre von der Gesundheit; so
 heisst die medicinische Wissenschaft. Sie wird durch die Benennung
 Veda den eigentlichen heiligen Büchern und Wissenschaften beigeordnet
 und als Supplement des AV. betrachtet, Suçr. 1,1,12,15. Sie zer-
 fällt in acht Hauptfächer: 1) Çalja, Chirurgie; 2) ÇĀlākja, die Lehre
 von den Krankheiten des Kopfs und seiner Organe; 3) Kājakikitsā,
 die Behandlung der Krankheiten, welche den ganzen Leib afficiren; 4)
 Bhūtavidjā, die Heilung der Seelenkrankheiten, die auf dämonischen
 Einflüssen beruhend gedacht werden; 5) Kaumārābhṛtja, Behand-
 lung der Kinder; 6) Agadatantra, die Lehre von den Gegengiften;
 7) Rāsājanatantra, die Lehre von den Elixiren; 8) Vāgīkarāṇa-
 tantra, die Lehre von der Stärkung der Zeugungskraft, Suçr. 1,2,4.
 fgg. 3,5. ब्रह्मा वेदाङ्गमष्टाङ्गमायुर्वेदमभाषत 122,14. आयुर्वेदस्ताष्टाङ्गो
 देहवान् MBh. 2,442. आयुर्वेदं भरद्वाजात्प्राप्येह (धन्वत्तारिः) सभिषक्क्रि-
 यम् । तमष्टधा पुनर्व्यस्य शिष्येभ्यः प्रत्यपादयत् HARIV. 1539. 1532. KĀN.
 103. VP. 284. ein Upaveda MADHUS. in Ind. St. 1,13,14. 20,28. 21,1
 तत्रायुर्वेदस्याष्टौ स्वानानि भवन्ति मूत्रं शरीरमैन्द्रियं चिकित्सा निदानं वि-
 मानं विकल्पः सिद्धिश्चेति. आयुर्वेदस्तायन Verz. d. B. H. No. 931. ०त्तौ-
 च्य N. 941. ०सर्वस्व No. 974. — Vgl. अत्रायुर्वेद.

आयुर्वेदक s. आयुर्वेदिक.

आयुर्वेदमय adj. den Ājurveda in sich enthaltend: आयुर्वेदमयः पुमा-
 न् (धन्वत्तारिः) R. 1,43,32.

आयुर्वेदिकं adj. subst. m. mit dem Ājurveda vertraut, Arzt gaṇa
 उक्थादि zu P. 4,2,60. gaṇa कथादि zu 4,4,102. In den Sch. zu H.
 472: आयुर्वेदक.

आयुर्वेदिन् m. Arzt H. 472. RĀGAN. im ÇKDr.

आयुर्वेत् n. = आयुम् am Ende eines comp.: त्र्यायुषम् VS. 3,62. द्वायोयो
 हि देवायुषं क्रुशतो मनुष्यायुषम् ÇAT. Br. 7,3,2,10. सर्वायुष्य TAITT. UP.
 2,3. तेनाप्युक्तम् पदतिविस्तारविस्तीर्णं तदत्रेव चिरायुषम् PAÑKAT. 243,25.

आयुषक (आयु + सच्) adv. mit dem Menschen vereint: सोमः पवन आ-
 युषकं unter menschlicher Mitwirkung RV. 9,25,5. पवंस्व देवायुषिगन्धं
 गच्छतु ते मदः 63,22.

आयुष्क die Verbindung mit dem Körper oder der Person (bei den
 Gāina); angebl. das, was das Leben (आयुम्) verkündet (कायते) COLBR.
 Misc. Ess. I, 384.

आयुष्काम (आयुम् + काम) adj. Leben, Gesundheit wünschend ÇAT. Br.
 11,7,2,2. KĀTJ. Çr. 4,15,13. 5,12,1. ĀÇV. Çr. 10,3. M. 9,41.

आयुष्कृत (आ० + कृत्) adj. Leben schaffend, von Göttern AV. 3,31,
 8. 5,9,8. 19,27,8.

आयुष्टेम (आयुम् + स्तोम) m. P. 8,3,83; s. u. आयुम् 3.

आयुष्यती (आ० + प०) f. Lebensherrin AV. 5,9,8 (voc.)

आयुष्यो (आ० + पा) adj. das Leben erhaltend VS. 22,1. TS. 1,1,13,2.

आयुष्यर्तरण (आ० + प्र०) adj. das Leben verlängernd AV. 4,10,4;
 vgl. 19,44,1.

आयुष्मत् (von आयुम् 1) adj. a) lebenskräftig, gesund, dem ein langes
 Leben bevorsteht AK. 3,1,6. H. 479, Sch. MED. t. 186. आयुष्मो नृर्दृष्टिर्-
 द्यात्मं VS. 34,52. 35,17. आयुष्मतो वृणाम् AV. 3,9,3. 6,47,1.2. 14,1,45.
 19,27,8. Suçr. 1,123,19. आयुष्मत् सुते सूते M. 3,263. MBh. 1,2472. N.
 16,25. von Agni, dem Leben besitzenden, und von andern Göttern TS.
 2,2,2,2. ÇAT. Br. 13,8,2,8. 9. AV. 3,31,8. 8,2,13. आयुष्मान्भव oder
 एधि als Gruss M. 2,125. R. 4,22,30. P. 8,2,83, Sch. in der Anrede ÇAT.
 Br. 12,2,2,9. mit आयुष्मन् redet der Wagenlenker den Gebieter an BHAR-
 RATA zu ÇĀK. 3,2. MBh. 3,725.752. N. (BOPP) 13,12. ÇĀK. 3,2. 93,1. 96,
 2. 97,4.15. Auch in anderer Verbindung wird dieser einen Wunsch
 für ein langes Leben enthaltende Ausdruck gebraucht: आयुष्मान्नास्ताम-
 यम् VIKR. 86,14. इदमलंकारज्ञातमलंक्रियतामायुष्मती ÇĀK. 50,2, v.1. (für
 अन्नभवती). MEGH. 99. DHŪRTAS. 76,12. sehr beliebt ist der Ausdruck bei
 den Buddhisten. आयुष्मत् in Verbindung mit einem adv. pronom. gaṇa
 भवदादि zu P. 5,3,14, Vārt. — b) dauernd: नृत्रम् AV. 6,98,2. — c)
 alt: आयुष्मतो कथाः कीर्तयतः ĀÇV. GRH. 4,6. — 2) m. a) N. des 3ten
 unter den 27 Joga MED. t. 186. — b) ein Stern (the Joga-star) im 3ten
 Mondhause KĀLAS. 74.356. — c) N. pr. ein Sohn Uttānapāda's HARIV.
 62. VP. 86, N. 1 (Ājushmanta). Saṁhṛāda's 147 (vgl. N. 1).

आयुष्यं (von आयुम् 1) adj. f. आयु lebengebend, das Leben kräftigend,
 gesund gaṇa स्वर्गादि zu P. 5,1,111, Vārt. 2. आयुष्यो कृ वा अस्मैष
 आत्मनिष्क्रयणो भवति ÇAT. Br. 11,7,2,4,2,2. 12.15. M. 1,106. 3,106. 4,
 13. MBh. 1,2309. 2,286 (f). R. 1,1,95. 44,63. — 2) n. a) Lebenskraft, Le-
 bensfülle: आयुष्यमस्मा अग्निः सूर्यो वर्च आ धाहृत्स्वतिः AV. 2,29,1. 19,
 26,4. VS. 34,50. ÇAT. Br. 6,7,2,1.2. M. 2,52. R. 1,4,22. PAÑKAT. I, 129
 = II, 41. आयुष्यं देवदत्ताय oder देवदत्तस्य भूयात् P. 2,3,73. — b) Bele-
 bung; so heisst eine nach der Geburt eines Kindes zu vollziehende
 Ceremonie PĀR. GRH. 1,16 in Z. d. d. m. G. 7,331. — Vgl. अत्रायुष्य.

1. आयुम् m. N. pr. ein Sohn des Purūravasa und der Urvaçī MBh.
 1,3151.3760. VIKR. 143. VP. 398.406. — Vgl. 1. आयु 2, c.

2. आयुम् n. UP. 2, 114. 1) Leben, sowohl Lebenskraft, Gesundheit als
 Lebensdauer; langes Leben AK. 2,8,2,88. H. 1369. RV. 1,10,11. प्र षा आ-
 युषि तारिषत् 25, 12. 34, 11. विश्वं चिदायुर्विसेत् 37, 15. 44, 6. 93, 3. दीर्घ-